p>

Title: Need to cover villages left in under Nalwa and Adampur Legislative Assembly in Hissar under National Agriculture Irrigation Schemes.

श्री बृजेन्द्र सिंह (हिसार): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे लोक सभा में पहली बार बोलने का अवसर दिया ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : भारतीय प्रशासनिक सेवा में रहे हैं, इनका अनुभव सदन को मिल रहा है । हम सब धन्यवाद देते हैं ।

श्री बृजेन्द्र सिंह : बहुत-बहुत धन्यवाद । अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे पहली बार बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : आप पूरा बोलें ।

श्री बृजेन्द्र सिंह : मैं पार्टी का, पार्टी के नेतृत्व का, आदरणीय प्रधान मत्री जी का, आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का आभार व्यक्त करता हूँ । मैं हरियाणा के हिसार लोक सभा संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित होकर आया हूँ । मुझे जनता ने अभूतपूर्व प्यार दिया है, मुझे समर्थन दिया है, उसका मैं आभारी हूँ ।

अध्यक्ष महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र में करीब 450 गाँव हैं, जिनमें से 100 से अधिक गाँव ऐसे हैं, जहाँ पर पानी की कमी है, चाहे वह पीने के पानी की हो या इरीगेशन की हो, खास तौर से जो टेल पर गाँव पड़ते हैं । इनमें से करीब 29 गाँव ऐसे हैं, जो इंटीग्रेटेड वाटर मैनेजमेंट प्रोग्राम (आई.डब्ल्यू.एम.पी.) के तहत कवर हुए हैं । अब आई.डब्ल्यू.एम.पी. राष्ट्रीय कृषि सिंचाई योजना के तहत आ गई है, लेकिन दो विधान सभा के सेगमेंट ऐसे हैं, आदमपुर और नलवा के जहाँ पर करीब 20 गाँव हैं, जो सबसे ज़्यादा त्रस्त हैं, जहाँ सबसे ज़्यादा पानी की कमी है । वह अभी भी किसी प्रकार की राष्ट्रीय स्कीम से वंचित है । मैं आपके माध्यम से

आदरणीय जल शक्ति मंत्री को यह अनुरोध करना चाहूँगा कि राष्ट्रीय कृषि सिंचाई योजना में थोड़ा सा संशोधन करके, जो 18-20 गाँव बचे हुए हैं, नलवा और आदमपुर विधान सभा क्षेत्र को यदि उसमें जोड़ लिया जाए तो वहां के लोगों को इससे बहुत बड़ी राहत मिलेगी । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी 15 लोग बचे हैं तो 20 मिनट का समय और दे दें ।

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल): अभी बोलने वाले हैं ।

माननीय अध्यक्ष : हाँ, 20 मिनट का समय और दे दें ।

श्री अर्जुन राम मेघवाल : सर, ठीक है ।

माननीय अध्यक्ष : सभा की सहमति के अनुसार 20 मिनट का समय और बढ़ाया जाता है, अंतिम वक्ता तक ।

श्री अनिल फिरोजिया ।